

02-09-22

आर्ची. अपी. अनु० / राज. आर्ची. उप० /  
आर्ची. रेस्पों. सं. 2, 3 व 7 उप० / रेस्पों. सं. 04 अनु० /  
आर्ची. अपी. लगातार निम्न पेशी पर अनुपास्थित  
रहा है।

राज भी आर्ची. अपीलानोट तथा अपीलानोंगण  
को बार-बार बँची भावाजे लगाई गई / किन्तु  
कोई भी उपास्थित नहीं।

अतः पत्रावली अद्यम हाजरी, अद्यम  
पैरवी में एतद्द्वारा खारिज की जाती है।  
पत्रावली फेंसल शुमार होकर दर्ज  
राजिस्टर नम्बर से कम की जाकर  
दाखिल दफ्तर हो।

जिला कलक्टर  
राजसमन्व